

पांच करोड़ रोजगार के लिए चाहिए हर साल पांच लाख करोड़ रुपये का निवेश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश की दस खरब डालर अर्थव्यवस्था के लिए दस करोड़ रोजगार पैदा करने होंगे। यूपी माइक्रो फाइनेंस एसोसिएशन द्वारा राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ कंटेम्परेरी स्टडीज की रिपोर्ट के मुताबिक जल, जंगल, जमीन, जंतु और जलवायु में एक लाख करोड़ रुपये, स्वास्थ्य व शिक्षा, वैकल्पिक ऊर्जा, हाउसिंग, कृषि, सिंचाई, जल प्रबंधन आदि में अलग-अलग सालाना पांच लाख करोड़ रुपये की जरूरत होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपी सरकार ने 10 करोड़ लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल पांच साल में पांच करोड़ लोगों को रोजगार दिया जाना है। दस खरब डालर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य भी महत्वाकांक्षी है क्योंकि वर्तमान में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 2.5 से 3 खरब डालर का है। रिपोर्ट के मुताबिक यूपी की

निवेश सेक्टर

जल-जंगल, जमीन, जीव व जलवायु
स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल
खनन और वैकल्पिक ऊर्जा
हाउसिंग व लोकल इंफ्रा
स्वयं सहायता समूह व कोआपरेटिव
सामाजिक सुरक्षा जैसे पेंशन आदि
किसानों को बैंक लोन
एमएसएमई को बैंक लोन
जल और सीवर प्रबंधन
सिंचाई और खाद्य प्रबंधन
कृषि व सहायक सेवाएं
सामाजिक सौहार्द व सुरक्षा

सालाना बजट

एक लाख करोड़ रुपये
50 हजार करोड़ रुपये
50 हजार करोड़ रुपये
50 हजार करोड़ रुपये
50 हजार करोड़ रुपये
50 हजार करोड़ रुपये
50 हजार करोड़ रुपये
25 हजार करोड़ रुपये
25 हजार करोड़ रुपये
50 हजार करोड़ रुपये
30 हजार करोड़ रुपये

रोजगार सृजन

80 लाख
40 लाख
40 लाख
40 लाख
40 लाख
40 लाख
40 लाख
40 लाख
40 लाख
80 लाख
20 लाख

माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उप्र ने जारी की रिपोर्ट

रफ्तार काफी तेज है लेकिन समय के अंदर लक्ष्य हासिल करने के लिए इसे करीब दोगुना करना होगा। इसके लिए प्रत्येक सेक्टर में निवेश के साथ उसे धरातल पर उतारने के लिए विशेष रणनीति बनानी पड़ेगी।

इसमें कहा गया है कि महिलाओं खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्र की

महिलाओं को रोजगार से तेजी से जोड़ना होगा। बाजार की मांग के मुताबिक कौशल से लैस युवा तैयार करने होंगे।

प्रदेश सरकार ने इन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए 3.30 लाख करोड़ रुपये के सालाना निवेश को हासिल कर लिया है। शेष 1.70 लाख करोड़ रुपये के लिए तेजी से काम हो रहा है।